



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

(४२)

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 128] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 1, 1991/चैत्र 11, 1913

No. 128] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 1, 1991/CHAITRA 11, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हुं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1991

सं. 41/91-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 195(अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962  
का 52) की धारा 25 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रयत्न  
यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त

मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 35/90-सीमाशुल्क, तारीख 20 मार्च 1990 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, क्रम सं. 2 के सामने स्तम्भ (3) में की प्रविष्टि के स्थान पर “ऐसा कोक जिसमें 0.035 प्रतिशत या उससे कम फास्फोरस ग्रंथि हो, जब उसका कच्चे लोहे के विनिर्माण के लिये भारत में आयात किया जाता है” प्रविष्टि रखी जायेगी।

[फा. सं. 346/25/88-टी. आर. यू.]

रा. कु. महाजन, अवर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st April, 1991

No. 41/91-CUSTOMS

G.S.R. 195 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 35/90-Customs, dated the 20th March, 1990, namely :—

In the Table to the said notification, against S. No. 2, for the entry in Column (3), the entry “Coke with phosphorous content of 0.035 per cent or below, when imported into India for the manufacture of pig iron” shall be substituted.

[F. No. 346/25/88-TRU]

R. K. MAHAJAN. Under Secy.